

पितृपक्ष में गया जा रहे हैं? कहां करें पिंडदान और कहां ठहरे

Travelling

पितृपक्ष में गया जाने की तैयारी कर रहे हैं? यात्रा से पहले जान लें मेले की तारीख, पहुंचने का आसान तरीका, कहां ठहरना ठीक रहेगा और गया में किन खास जगहों पर पिंडदान किया जाता है।

• जालंधर ब्रीज . फीचर

पितृपक्ष के दौरान गया में देशभर से लोग अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान और पूजा करने पहुंचते हैं। 2026 में गया में पितृपक्ष मेला सितंबर के आखिर से अक्टूबर की शुरुआत तक चलेगा। जिला प्रशासन की सूचना में 25 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक मेले की जानकारी दी गई है। अगर पहली बार गया जा रहे हैं, तो सिर्फ पिंडदान की जगहों की जानकारी रखना काफी नहीं है। भीड़ को देखते हुए रहने और आने-जाने की योजना पहले बना लेना आपकी यात्रा को काफी आसान कर सकता है।

गया कैसे पहुंचें?

ट्रेन से : गया पहुंचने का सबसे आसान तरीका ट्रेन है। गया रेलवे स्टेशन देश के

कई बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ और दूसरे शहरों से यहां ट्रेनें मिलती हैं। दिल्ली से भी सीधी ट्रेनें चलती हैं।

हवाई जहाज से : गया में अपना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। दिल्ली समेत कुछ शहरों से सीधी उड़ानें मिलती हैं। अगर आपकी सीधी उड़ान न मिले तो पटना पहुंचकर वहां से सड़क या ट्रेन के रास्ते गया जा सकते हैं।

सड़क से : गया सड़क के रास्ते भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। पटना से गया की दूरी करीब 120 किलोमीटर है। आसपास के शहरों से बस, टैक्सी या अपनी गाड़ी से भी पहुंच सकते हैं।

गया में कहां ठहरे?

पितृपक्ष में गया में काफी भीड़ रहती है, इसलिए आखिरी समय तक रुकने की

जगह ढूंढने के बजाय पहले से बुकिंग करना बेहतर रहेगा।

अगर आपका मुख्य काम पिंडदान है, तो विष्णुपद मंदिर और चांदचौरा के आसपास रुकना सुविधाजनक हो सकता है। यहां से कई प्रमुख पिंडदान वाली जगहों तक पहुंचना आसान रहता है।

वहीं, अगर आप रेलवे स्टेशन के पास रुकना चाहते हैं तो स्टेशन के आसपास के होटल और ठहरने की जगहें देख सकते हैं। परिवार के साथ जा रहे हैं तो ऐसी जगह चुनें जहां आने-जाने की सुविधा आसानी से मिल सके।

पिंडदान के लिए जाने वालों के लिए मंदिर और पूजा वाली जगहों के आसपास रुकने का एक फायदा यह भी है कि सुबह जल्दी निकलना आसान रहता है।

गया में कहां-कहां करें पिंडदान?

विष्णुपद मंदिर : गया में पिंडदान के लिए विष्णुपद मंदिर सबसे प्रमुख जगहों में शामिल है। यहां भगवान विष्णु के चरण चिह्न माने जाने वाले स्थान पर पूजा की जाती है।

फल्गु नदी : फल्गु नदी का गया के पिंडदान से खास संबंध है। यहां भी पूर्वजों के लिए पूजा और पिंडदान किया जाता है।
अक्षय वट: अक्षय वट भी गया की



प्रमुख धार्मिक जगहों में शामिल है। महत्व माना जाता है। पिंडदान से जुड़ी परंपराओं में इसका खास



धार्मिक जगहों में से एक है। यहां भी पिंडदान और पूर्वजों से जुड़े धार्मिक काम किए जाते हैं।

रामशिला : रामशिला भी पिंडदान से जुड़ी महत्वपूर्ण जगहों में गिनी जाती है। यहां जाने से पहले अपनी पूजा की जरूरत और स्थानीय व्यवस्था के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

पहली बार गया जा रहे हैं तो ये बातें याद रखें

पितृपक्ष के दौरान यहां काफी भीड़ होती है। इसलिए ट्रेन या फ्लाइट की टिकट और ठहरने की जगह पहले से तय कर लें।

पिंडदान की अलग-अलग जगहों पर अलग व्यवस्था और परंपरा हो सकती है। इसलिए पूजा शुरू करने से पहले सहायता केंद्र से पूरी जानकारी ले लें।

अगर परिवार के बुजुर्ग भी साथ जा रहे हैं, तो उनके लिए आने-जाने की सुविधा पहले से देख लें। इससे पितृपक्ष की यात्रा बिना ज्यादा परेशानी के पूरी की जा सकती है।

LIFESTYLE

कभी नहीं मिलेगी सफलता : खुद से बोलने वाले इन 5 बहानों को कभी ना सुनें

सफलता पानी है तो खुद से बोलने वाले कुछ झूठ से खुद को दूर रखना चाहिए। आमतौर पर लोग अपने आप से ये 5 तरह के झूठ बोलते हैं और बहाने बनाते हैं, जिन्हें इग्नोर करना जरूरी है, तभी आप फेलियर से बचेंगे और सक्सेज मिल...



मन नहीं कर रहा या आज मूड नहीं है, इस काम को करने का दिल नहीं कर रहा तो फौरन समझ जाएं कि मन की ये बात आपको एक फेलियर की तरफ बढ़ाएगी। जब मन कहे कि मूड नहीं कल करूंगा तो उस काम को फौरन शुरू कर देना चाहिए। तभी सफलता हाथ लगती है।

'कल से करेंगा'

किसी काम को करने का सही समय आज ही होता है, कल किसी ने नहीं देखा। प्रचलित दोहे के बारे में तो पढ़ा ही होगा काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में प्रलय होयगी, बहुरि करैगो कब। इसका मतलब है कि कल पर किसी काम को नहीं टालना चाहिए। जो भी काम करने हैं उन्हें आज ही करें।

सही समय का इंतजार

किसी काम को शुरू करने का कोई समय परफेक्ट नहीं होता है। जब आप शुरू कर दें वहीं दिन सही और परफेक्ट होता है। एक बार काम शुरू करने के बाद आगे के रास्ते खुद ही समझ आने लगते हैं।

'लोग क्या कहेंगे'

किसी नये बिजनेस की शुरुआत करना चाहते हैं या फिर किसी शौक को अपना पेशा बना रहे अक्सर लोग सोचते हैं कि लोग क्या कहेंगे। जबकि ऐसा सोचना पूरी तरह से गलत है, यहीं सोच आपको लाइफ में आगे बढ़ने से रोकती है। अगर जिंदगी में सफल होना चाहते हैं तो कभी भी लोगों को सोचने और बोलने के बारे में कभी ना सोचें। अपने आसपास जो भी सफल लोग हैं उनकी कहानियों पर फोकस करें और खुद के लिए अपना रास्ता बनाएं।

'मुझसे नहीं होगा'

फेलियर की पहली सीढ़ी आपकी निगेटिव सोच होती है। जब आप ये सोच लेते हैं कि ये काम तो कठिन है और मुझसे नहीं होगा। इसलिए कभी भी खुद पर से भरोसा नहीं छोड़ना चाहिए। ये नहीं बोलना चाहिए कि ये काम मुझसे नहीं होगा।

जब दिल बोले 'आज मन नहीं है'

जब आपका दिल कहे कि आज को

पराठे-पूड़ी के साथ बनाएं शाही खोया मटर की सब्जी, स्वाद ऐसा की सब कहेंगे 'वाह'

लंच या डिनर में कुछ अलग खाने का मन हो तो शाही खोया मटर की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में ये सब्जी बाकी सब्जियों के मुकाबले काफी टेस्टी लगती है और पूड़ी-पराठे के साथ सर्व करने के लिए बेस्ट है। सीखिए इस सब्जी को कैसे बनाएं।

• जालंधर ब्रीज. रसिपी

लंच या डिनर में हर दिन कुछ अलग बनाने के लिए बहुत ज्यादा सोचना पड़ता है। एक ही प्लेवर और टेस्ट वाला खाना खाते-खाते एक समय पर बोरियत भी होने लगती है ऐसे में टेस्ट चेंज करने के लिए आप घर पर शाही खोया मटर की सब्जी बनाकर ट्राई कर सकते हैं। ये स्वाद में काफी अच्छी लगती है और बाकी सब्जियों के टेस्ट से इसका टेस्ट अलग भी है। घर पर मेहमानों और किसी त्योहार पर आप ये सब्जी बना सकती हैं। पूड़ी और पराठों के साथ ये सब्जी काफी अच्छी लगती है। अगर आपको देसी टेस्ट वाला खाना पसंद है तो एक बार इस सब्जी की रसिपी जरूर ट्राई करें।

शाही खोया मटर बनाने की सामग्री

- 2 कप हरे मटर
- 150 ग्राम खोया
- दो मीडियम प्याज (बारीक कटी)
- 2 मीडियम टमाटर (प्यूरी)
- 1 इंच अदरक, (कद्दूकस किया)
- 1 से 2 हरी मिर्च
- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 1 तेजपत्ता
- आधा छोटा चम्मच हल्दी
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- डेढ़ छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- आधा छोटा चम्मच गरम मसाला
- एक छोटा चम्मच कसूरी मेथी
- स्वादानुसार नमक
- डेढ़ बड़ा चम्मच तेल

• जालंधर ब्रीज. हेल्थ केयर

इलायची का इस्तेमाल भारतीय घरों में खूब होता है। कभी माउथ फ्रेशनर के तौर पर तो कभी चाय या बिरयानी जैसी डिशेज का स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके कई हेल्थ बेनिफिट्स भी होते हैं? जी हां, बाकी भारतीय मसालों की तरह इलायची में भी ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। जानी मानी न्यूट्रीशनिस्ट एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताती हैं कि रोजाना सिर्फ एक इलायची चबाना भी सेहत को काफी फायदा कर सकता है। पारंपरिक रूप से भारतीय मिठाइयों और बिरयानी जैसी डिशेज में इस्तेमाल किया जाता रहा है, क्योंकि ये अपनी डाइजेस्टिव और एरोमेटिक गुणों के लिए जानी जाती है। आइए विस्तार जानते हैं इलायची के क्या-क्या फायदे हैं।

पेट की गैस और भारीपन को कम करती है इलायची : न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि इलायची में कई तरह के एक्टिव बॉलेटाइल ऑयल्स मौजूद होते हैं, जैसे सिनेओल और टर्पिनिल एसीटेट। ये कंपाउंड्स पाचन तंत्र की मांसपेशियों को रिलैक्स करने में मदद करते हैंइलायची में नेचुरली एंटीस्पैस्मोडिक इफेक्ट पाया जाता है, यानी ये आपके पेट में फंसी हुई गैस और हवा को रिलीज करने में मदद करती है। अगर आपको खाना खाने के बाद एसिडिटी, गैस, ब्लोटिंग होती है, तो इलायची का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

शरीर से एक्स्ट्रा सोडियम और पानी को बाहर करती है : डायटिशियन श्वेता बताती हैं कि इलायची नेचुरल डाययूरिटिक (मूत्रवर्धक) की तरह काम करती है। यानी ये आपको यूरिनेशन को स्टीमूलेट करती है, जिससे शरीर में जमा एक्स्ट्रा सोडियम और पानी पेशाब के जरिए निकल जाता है, बिना इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बिगाड़े। इसलिए अगर आपको वाटर रिटेंशन, पफीनेस या बीपी की समस्या है तो इलायची खाना कुछ फायदेमंद साबित हो सकता है।

पाचन को सपोर्ट करती है इलायची : न्यूट्रीशनिस्ट बताती हैं कि हमारे ट्रेडिशनल फूड्स में इलायची का इस्तेमाल होता आया है। चाहे वो बिरयानी जैसी हेवी डिश हो या मिठाइयां, उनमें इलायची डालने का मकसद सिर्फ स्वाद नहीं होता। दरअसल इलायची लिवर से बाइल सीक्रेशन को प्रमोट कर सकती है, जिससे खाना पचाने की प्रक्रिया को



- एक बड़ा चम्मच घी
- आधा कप दूध
- जरूरत के अनुसार पानी
- गर्मिशिंग के लिए हरा धनिया

शाही खोया मटर बनाने की विधि

शाही खोया मटर बनाने के लिए अगर आप ताजे मटर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सीधे इस्तेमाल करें। लेकिन अगर फ्रोजन मटर हैं तो 5 से 7 मिनट के लिए इसे गर्म पानी में डालकर रखें और फिर पानी निकाल दें। अब कड़ाही में एक छोटा चम्मच घी डालकर धीमी आंच पर खोया डालें। फिर लगातार चलाते हुए 2 से 3 मिनट के लिए भूनें। खोया हल्का सुनहरा और खुशबूदार हो जाए तो निकालकर अलग रख दें। इसे बहुत ज्यादा न भूनें वरना खोया की रंगत भी खराब दिखेगी और इसका स्वाद भी कड़वा हो सकता है।

जिस कड़ाही में खोया भुना है उसी कड़ाही में बचा हुआ घी और तेल डालें। फिर जीरा और तेजपत्ता डालकर अच्छे से चटकने दें।जीरा चटकने पर प्याज डालकर मध्यम आंच पर 5-7 मिनट भूनें, जब तक प्याज हल्का सुनहरा न हो जाए। फिर

इसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर 30 से 40 सेकंड भूनें।

अब इसमें टमाटर डालें और फिर इसके बाद हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और थोड़ा नमक डालें। मसाले को कुछ देर के लिए पकाएं जब तक टमाटर अच्छी तरह गल जाए। जब ये अच्छे से पक जाएंगे तो तेल किनारा पर दिखाई देने लगगा।

मसाला तैयार होने के बाद अब मटर डालकर मसाले के साथ कुछ देर भूनें और फिर आधा कप पानी डालकर ढक दें। मीडियम से धीमी आंच पर कुछ देर पकाएं। जब मटर नरम हो जाए तो आंच धीमी कर दें और इसमें भुना हुआ खोया डालें और अच्छी तरह मिलाएं। फिर धीरे-धीरे दूध डालते हुए लगातार चलाएं। जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी भी खराब दिखेगी और मनचाहा गाढ़ापन दें और फिर धीमी आंच पर कुछ मिनट पकाएं।

जब ये पक जाए तो गरम मसाला और हाथ से मसलकर कसूरी मेथी डालें। 1-2 मिनट और पकाएं। फिरऊपर से हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें। सब्जी सर्व करने के लिए तैयार है।

रोज 1 इलायची खाने से शरीर में क्या होगा? BP से गैस तक, न्यूट्रीशनिस्ट ने बताए फायदे!

Health

इलायची का इस्तेमाल आप चाय और बिरयानी का स्वाद बढ़ाने के लिए करते ही होंगे। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर आप रोज एक इलायची चबाते हैं तो उसके कई फायदे हो सकते हैं? न्यूट्रीशनिस्ट श्वेता पांचाल ने इस बारे में विस्तार से...



सपोर्ट मिलता है। जिन लोगों का पाचन धीमा रहता है, उनके लिए इलायची चबाना काफी फायदेमंद हो सकता है।

सांस की बदबू और दांतों के लिए फायदेमंद : बहुत से लोग इलायची को माउथ फ्रेशनर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों को ये नहीं पता कि इलायची में एंटी बैक्टीरियल गुण भी मौजूद होते हैं। दरअसल इलायची में मौजूद एक्टिव कंपाउंड्स स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटन्स बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। ये वही बैक्टीरिया है जो दांतों में कैविटी, प्लाक बनने और गंदगी बढबू के लिए जिम्मेदार होता है।

जरूरी बात- इलायची को दवा मानकर ना करें इलाज

न्यूट्रीशनिस्ट बताती हैं कि इलायची सेहत के लिए काफी फायदेमंद है, लेकिन इसे किसी चीज का इलाज मानकर दवा की तरह इस्तेमाल ना करें। ये कोई मैजिक सॉल्यूशन नहीं है। अगर आपको कई दिनों से ब्लोटिंग, एसिडिटी, गैस, वाटर रिटेंशन और हाई बीपी की समस्या बनी हुई है, तो इसके पीछे का कारण जानना जरूरी है। ऐसी स्थिति में अपने डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

नोट : यह खबर सामान्य जानकारीयों पर आधारित है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से उचित सलाह लें।

किसानों के हित में बड़ा फैसला: खरीफ 2026-27 के लिए 5547.99 करोड़ रु. की उपज खरीद को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंजूरी

• शिवराज सिंह चौहान द्वारा किसानों के हित में दी गई स्वीकृति से यूपी, तेलंगाना और कर्नाटक में PSS के तहत होगी बंपर खरीद
•अन्नदाता की खुशहाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की प्राथमिकता- शिवराज सिंह चौहान • दलहन-तिलहन उत्पादकों की भलाई के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बड़ा कदम, किसानों को मिलेगा उपज का सही दाम

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के अन्नदाताओं के आर्थिक हितों की रक्षा करते हुए खरीफ विपणन सीजन 2026-27 के लिए एक बड़ा और किसान-हितैषी फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों में प्रमुख दलहन और तिलहन फसलों की खरीद के लिए कुल 5,547.99 करोड़ रुपए की न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) राशि की खरीददारी का अनुमोदन प्रदान किया है।

इस निर्णय का सीधा उद्देश्य बाजार में फसलों की कीमतों में गिरावट से किसानों का बचाव करना और उन्हें उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित कराना है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण, उनकी आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही है। सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि अन्नदाता को उसकी उपज का उचित दाम मिले और इसके लिए खरीद तंत्र को पहले से अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाया जा



रहा है। इस अनुमोदन के तहत तीन प्रमुख

राज्यों के किसानों से विभिन्न फसलों की बड़े पैमाने पर खरीद की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए सबसे बड़ा हिस्सा तय करते हुए कुल 3,992.57 करोड़ रु. की खरीद को शिवराज सिंह चौहान द्वारा हरी झंडी दी गई है। इसके तहत राज्य में 3,937.70 करोड़ रु. मूल्य की 4,66,000 मीट्रिक टन तुअर और 54.87 करोड़ रु. मूल्य की 6,250 मीट्रिक टन मूंग की खरीद समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

कर्नाटक के दलहन और तिलहन उत्पादक किसानों के लिए 1,107 करोड़ रु. की उपज खरीद का अनुमोदन किया

गया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह द्वारा दी गई मंजूरी से कर्नाटक में 659.27 करोड़ रु. मूल्य की 1,15,500 मीट्रिक टन सोयाबीन, 335.83 करोड़ रु. मूल्य की 38,250 मीट्रिक टन मूंग तथा 111.90 करोड़ रु. मूल्य की 13,413 मीट्रिक टन सूरजमुखी (सनफ्लावर) की खरीद PSS के तहत की जाएगी।

इसके साथ ही, तेलंगाना के किसानों के हित में कुल 448.42 करोड़ रु. की खरीद को केंद्रीय मंत्री चौहान द्वारा स्वीकृति दी गई है। इसमें 353.90 करोड़ रु. मूल्य की 62,000 मीट्रिक टन सोयाबीन और 94.52 करोड़ रु. मूल्य की 10,766 मीट्रिक टन

मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीद शामिल है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि देश में दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देकर भारत को खाद्य तेलों और दालों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी मील का पथर साबित होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी उपार्जन केंद्रों पर खरीद की व्यवस्थाएं पारदर्शी रहेंगी और किसानों को उनकी उपज की राशि का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में समयबद्ध तरीके से किया जाएगा।

कर्टन रेज़र कार्यक्रम में 'इंडिया एनर्जी वीक 2027' की घोषणा

कोलकाता करेगा भारत के प्रमुख ऊर्जा कार्यक्रम के 5वें संस्करण की मेजबानी

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'इंडिया एनर्जी वीक (IEW) 2027' के कर्टन रेज़र का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 28 से 31 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित होने वाले भारत के इस प्रमुख वैश्विक ऊर्जा कार्यक्रम के पांचवें संस्करण की नींव रख दी गई है।

कर्टन-रेज़र के उद्घाटन के दौरान हरदीप पुरी ने कहा, “IEW 2027 इन चर्चाओं में नए दृष्टिकोण और आवाज़ों को शामिल करेगा। यह माननीय प्रधानमंत्री के उस विज़न को दर्शाता है जिसमें उद्यमियों, नवप्रवर्तकों (इनोवेटर्स) और उभरते हुए खिलाड़ियों की ऊर्जा के भविष्य को आकार देने में बड़ी भूमिका होनी चाहिए। इसलिए, कोलकाता संस्करण भारत के ऊर्जा विकास के अगले चरण का प्रतीक होगा—यह केवल ऐसा मंच नहीं होगा जहां भारत वैश्विक ऊर्जा वार्ता में भाग लेता है, बल्कि ऐसा मंच होगा जहां भारत इन्हें दिशा देने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।”

पुरी ने आगे कहा, “IEW 2027 भारत के बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम, इंजीनियरिंग क्षमताओं और नवाचार क्षमता को भी प्रदर्शित करेगा, जो यह दर्शाएगा कि देश भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक क्षमताएं किस प्रकार विकसित कर रहा है।” इंडियनऑयल के निदेशक (रिफाइनरीज़) अरविंद कुमार, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और अन्य हितधारकों के साथ चंडीगढ़ से इस कार्यक्रम के साक्षी बने। वैश्विक ऊर्जा संवाद के महत्व को रेखांकित करते हुए कुमार ने कहा, “इंडिया



एनर्जी वीक की शुरुआत के मात्र एक वर्ष के भीतर ही इसने वैश्विक ऊर्जा पटल पर अपनी बात मजबूती से रखने के भारत के इरादे को स्पष्ट कर दिया था। आज समानांतर रूप से चंडीगढ़ में हमारा एकत्र होना अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि भारत की ऊर्जा चर्चा किसी एक शहर या एक मंच तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश को ऊर्जा प्रदान करने वाले प्रत्येक क्षेत्र से जुड़ी है।” इस अवसर पर पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक (अंतरिम) प्रोफेसर राजेश कुमार भाटिया भी उपस्थित थे। 2023 में अपनी शुरुआत के बाद से, IEW ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच बन चुका है। IEW का पांचवां संस्करण ‘नवाचार को गति, ऊर्जा सुरक्षा, भविष्य का निर्माण’ थीम के तहत न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में 75,000 से अधिक ऊर्जा पेशेवरों और 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें हाइड्रोजन, बायोप्पल, एलएनजी, डिजिटलाइजेशन, नवीकरणीय ऊर्जा और नेट-जीरो की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों जैसे उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोलकाता का चयन IEW के भौगोलिक और रणनीतिक विस्तार को बढ़ाता है, जो पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की आर्थिक व औद्योगिक क्षमता और पड़ोसी क्षेत्रों

के साथ इसके बढ़ते संपर्कों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। नवाचार और युवा प्रतिभा IEW 2027 का एक प्रमुख केंद्र बिंदु रहेंगे। 'वसुधा', अविन्या और हैकार्थान जैसे मंच वास्तविक ऊर्जा चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत करने के अवसर प्रदान करेंगे।

एफआईपीआई (FIPIs) के 12 स्टूडेंट चैम्पर्स छात्रों और संकाय सदस्यों से तकनीकी सत्रों और प्रदर्शनियों से जोड़ेंगे, जिससे शिक्षा जगत और ऊर्जा उद्योग के बीच समन्वय और मजबूत होगा। कार्यक्रम में ऊर्जा क्षेत्र के पेशेवरों के साथ पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के लगभग 120 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पंजाब राज्य कार्यालय के तहत (पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर) इंडियनऑयल : इंडियनऑयल के पंजाब स्टेट ऑफिस (PSO) नेटवर्क में इस क्षेत्र के कुल 6,183 रिटेल आउटलेट्स में से 3,023 रिटेल आउटलेट्स शामिल हैं। इस नेटवर्क में बीपीसीएल के 1,258, एचपीसीएल के 1,568 और निजी ओएससी के 334 आउटलेट्स हैं। एलपीजी सेगमेंट में, कुल 1,402 वितरकों में से पीएसओ के 784 वितरक हैं, जबकि बीपीसीएल और एचपीसीएल के पास क्रमशः 328 और 290 वितरक हैं।

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान और गरिमा : विकसित भारत की आधारशिला

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

हर वर्ष 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, अधिकारों, सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। बढ़ती जीवन-प्रत्याशा आधुनिक समाज की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, किंतु दीर्घ जीवन तभी सार्थक है, जब प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सहभागिता के साथ जीवन जीने का अवसर मिले।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को सरकार की व्यापक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय वरिष्ठ नागरिकों के लिए आश्रय, स्वास्थ्य-संबंधी सहायता, सामाजिक सुरक्षा, सुगम जीवन तथा गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

सरकार का दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं

है। इसका उद्देश्य ऐसा समावेशी वातावरण तैयार करना है, जिसमें वरिष्ठ नागरिक समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदार बने रहें और उनके अनुभव, ज्ञान तथा जीवन-मूल्यों का लाभ आने वाली पीढ़ियों को प्राप्त हो।

रिष्ठ नागरिकों के लिए सुदृढ़ संस्थागत व्यवस्था : जिन वरिष्ठ नागरिकों के पास परिवार अथवा अन्य प्रकार का पर्याप्त सहारा उपलब्ध नहीं है, उनके लिए आश्रय और देखभाल सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

एकीकृत वरिष्ठ नागरिक कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2014-15 से वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम और निरंतर देखभाल गृह संचालित किए जा रहे हैं। गैर-सरकारी संगठनों, पंचायतों और स्थानीय निकायों के माध्यम से संचालित इन संस्थानों के माध्यम से 10.76 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को सहायता प्रदान की गई है।

इस दिशा में सरकारी वित्तीय सहायता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सहायता

लगभग 15 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष से बढ़कर 124 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

यह वृद्धि वरिष्ठ नागरिकों के लिए संस्थागत देखभाल और सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सहायक उपकरणों के माध्यम से आत्मनिर्भरता : वरिष्ठ नागरिकों के लिए आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने में सहायक उपकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पढ़ने, सुनने, चलने-फिरने और दैनिक गतिविधियों को सहज बनाने वाले उपकरण उनके जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार ला सकते हैं।

इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत देशभर में विभिन्न आयोगन किया गया है। इन शिविरों के माध्यम से 9 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को 53 लाख से अधिक निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। इन उपकरणों में व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, चलने की छड़ियाँ और चश्मे आदि शामिल हैं। इस प्रकार का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को

दैनिक जीवन में अधिक आत्मनिर्भर बनाना और उनकी गतिशीलता तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।

एल्डरलाइन: सहायता और मार्गदर्शन का सशक्त माध्यम : वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यकता के समय सहायता, परामर्श और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एल्डरलाइन हेल्पलाइन 14567 संचालित की जा रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित यह हेल्पलाइन वर्ष 2021 में प्रारंभ की गई थी।

हेल्पलाइन पर 29 लाख से ज़्यादा कॉल आए हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल डिफ़ेंस (NISD), जो इसके लागू होने की निगरानी करता है, ने वित्त वर्ष 2021 से 21 सितंबर, 2026 तक जानकारी, मार्गदर्शन, भावनात्मक सहयोग और फ्रीड्ड इंटरवेशन से जुड़े 8.67 लाख से ज़्यादा ऐसे कॉल पर कार्रवाई की है, जिन पर काम किया जा सकता था; यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने पर भी ध्यान दिया गया है।

अराकू कॉफी : आदिवासी खेतों से वैश्विक पहचान तक का सफर

वोकल फॉर लोकल: एक स्थानीय कॉफी, जो आदिवासी समुदायों की आजीविका को मजबूत कर आंध्र प्रदेश का स्वाद दुनिया तक पहुंचा रही है

• **जालंधर ब्रीज** . विशाखापत्तनम/जालंधर

आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाटों में स्थित अराकू घाटी अपने आदिवासी किसानों द्वारा उगाई जाने वाली अरेंबिका कॉफी के लिए जानी जाती है। कॉफी की खेती यहां के कई स्थानीय परिवारों के लिए आय और आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। अराकू घाटी की कॉफी की कहानी वर्ष 1863 से शुरू होती है, जब विजयनगरम के राजा ने अनंतगिरी के पास पहेला कॉफी पौधा लगावाया। समय के साथ अराकू और इसके



आसपास के क्षेत्रों में कॉफी की खेती का विस्तार हुआ। 1950 के दशक में कॉफी बोर्ड ने इसकी संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण किए, जबकि 1970 के दशक में आंध्र प्रदेश वन विभाग और एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी (JIDA) ने आदिवासी विकास के हिस्से के रूप में कॉफी की खेती को बढ़ावा दिया।

इसके बाद कॉफी बोर्ड द्वारा आदिवासी कॉफी उत्पादकों को तकनीकी और वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके तहत सीमेंट ड्राइंग यार्ड और बेबी पल्पर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे एक आत्मनिर्भर व्यवस्था को बढ़ावा मिला है और आदिवासी कॉफी उत्पादकों को प्रीमियम ऑर्गेनिक और नेचुरल कॉफी तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्ष 2025 तक अराकू घाटी लाइजन जोन में आदिवासी कॉफी के पौधे लगाए जाने वाला क्षेत्र 19,169 हेक्टेयर और

उत्पादन योग्य क्षेत्र 16,769 हेक्टेयर तक पहुंच गया था।

अराकू कॉफी कप तक पहुंचने से पहले एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया से गुजरती है। इसकी शुरुआत कॉफी की खेती और पके हुए कॉफी फलों की तुड़ाई से होती है। इसके बाद बीन्स की प्रोसेसिंग और छंटाई की जाती है। चुनी गई बीन्स को फिर भुना जाता है, जिससे उनका स्वाद और खुशबू विकसित होती है। अंत में इन्हें पैक करके ब्रूइंग के लिए तैयार किया जाता है।

अराकू वैली अरेंबिका कॉफी को वर्ष 2019 में जीआई (GI) पंजीकरण प्राप्त हुआ, जिससे इसकी भौगोलिक पहचान और इस क्षेत्र के साथ इसके विशेष संबंध को मान्यता मिली।

अराकू कॉफी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस समय और पहचान मिली, जब नई दिल्ली में आयोजित G20 शिखर सम्मेलन के दौरान अराकू घाटी की कॉफी को G20 नेताओं को दिए जाने वाले उपहारों में शामिल किया गया। इससे भारत के क्षेत्रीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने में मदद मिली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘मन की बात’ के 111वें एपिसोड के दौरान अराकू कॉफी का उल्लेख किया। उन्होंने इसके शानदार स्वाद और खुशबू की सराहना की और कहा कि लगभग 1.5 लाख आदिवासी परिवार इसकी खेती से जुड़े हुए हैं।

अराकू कॉफी “वोकल फॉर लोकल” की भावना को दर्शाती है। यह भारतीय किसानों और स्थानीय समुदायों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को अधिक पहचान दिलाने का एक उदाहरण है। स्थानीय स्तर पर तैयार की गई कॉफी को चुनने से स्थानीय किसानों के लिए मांग पैदा करने, वैल्यू चेन को मजबूत करने और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के साधनों को समर्थन देने में मदद मिल सकती है। विदेशी उत्पादों की ओर ही देखने के बजाय, उपभोक्ता अराकू कॉफी जैसे उकूष्ट भारतीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।



बी. एल. वर्मा
(वेलक सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री हैं।)

शिविरों के माध्यम से 9 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को 53 लाख से अधिक निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। इन उपकरणों में व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, चलने की छड़ियाँ और चश्मे आदि शामिल हैं। इस प्रकार का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

जानकारी के एक जगह से दूसरी जगह सही तरीके से न पहुंचने के कारण अस्पतालों को लंबे समय से डॉक्टरों के समय की बर्बादी और अटक हुए बीमा दावों के रूप में नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब जरूरत ऐसी डिजिटल व्यवस्थाएं बनाने की हैं, जो एक-दूसरे के साथ आसानी से जानकारी साझा कर सकें।

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है- कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती।

अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव

करना पड़ेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग-अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग-अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है।

अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग-अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है। मरीज के इलाज का पूरा सफर इस तरीके को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो

सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती।

इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती हैं।

लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे असल में पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों

के अलग-अलग प्रारूप और एक-दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी को अलग-अलग जगह बंद रखने की कीमत इतनी बढ़ गई है कि इसका नुकसान मरीजों और अस्पतालों, दोनों को हो रहा है। इसी वजह से निजी अस्पतालों

ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यानी एबीडीएम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अलग-अलग डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक समान मानकों की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीज जहां भी इलाज कराए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी अगले डॉक्टर या अस्पताल के काम आ सके। दुनिया के अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जब मरीज की स्वास्थ्य जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंचती, तो मरीज को खराब अनुभव हो सकता है, एक ही जांच बार-बार हो सकती है और इलाज में देरी हो सकती है। इसके विपरीत, अलग-अलग स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल से जांचों की दोहराव वाली जरूरत और अस्पताल में दोबारा भर्ती होने के मामलों में कमी देखी गई है।

प्रशासन के स्तर पर भी यही समस्या दिखाई देती है। एक अस्पताल कई बीमा कंपनियों और भुगतान करने वाली संस्थाओं के साथ काम करता है। इनमें से हर संस्था की अपनी डिजिटल व्यवस्था और अपने तरीके होते हैं।

भगवान वाल्मीकि जी के प्रगत उत्सव संबंधी शोभा यात्रा में पुख्ता प्रबंधों का आश्वासन

कैबिनेट मंत्री, चेयरमैन, डिप्टी कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर द्वारा विभिन्न विभागों को सारी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के बागवानी और रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत, पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी कमिशन के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल, डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया और पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने कहा की कि पंजाब

सरकार द्वारा भगवान वाल्मीकि जी के प्रगत उत्सव संबंधी 24 अक्तूबर को निकाली जा रही शोभा यात्रा के दौरान पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। आज यहां विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालु पूरे धार्मिक उत्साह और जोश के साथ भाग ले सकें, इसके लिए सभी उचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि समारोह को पूरी तरह सफल बनाने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। कैबिनेट मंत्री

ने कहा कि शोभा यात्रा के दौरान किए जाने वाले जरूरी प्रबंधों जैसे आवागमन के वैकल्पिक प्रबंध, वाहनों की पार्किंग, शोभा यात्रा के रूट, सफाई और सुरक्षा आदि के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रगत उत्सव को पूरी धार्मिक मर्यादा के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने लोगों को आह्वान किया कि भगवान वाल्मीकि जी द्वारा बताए मार्ग पर चलते हुए समानता वाले समाज की रचना में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उन्होंने सामाजिक

और धार्मिक संगठनों द्वारा हर वर्ष इस समारोह को करवाने के लिए किए जा रहे समर्पित प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिलाया कि बैठक के दौरान दिए गए सुझावों को पूरी तरह लागू किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए कहा कि कमिश्नरेंट पुलिस द्वारा प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने बैठक में शामिल होकर अपने विचार प्रस्तुत किए।



तीन उत्तराखंड निवासियों सहित चार व्यक्ति गिरफ्तार; सात आधुनिक पिस्तौलें बरामद

दुबई और अमेरिका आधारित हैंडलरों के संपर्क में थे गिरफ्तार किए गए दोषी : डीजीपी गौरव यादव

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/गुरदासपुर

गुरदासपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय हथियार तस्करी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश करते हुए चार व्यक्तियों, जिनमें से तीन उत्तराखंड के रहने वाले हैं, को सात आधुनिक पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान लवप्रीत सिंह (26), लवप्रीत सिंह (25) और जशनदीप सिंह (25), सभी निवासी सिताराज, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड और हरजिंदर सिंह (23), निवासी लखन कलां, कलानौर, गुरदासपुर, के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में एक रलॉक (ऑस्ट्रिया निर्मित), चार



.30 बोर (चीन निर्मित) और दो .30 बोर पिस्तौलें सहित आठ मैगजीन शामिल हैं। हथियार बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनकी सिल्वर मारुति स्विफ्ट कार (यूके 16 सी 0040) को भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल वे आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिमों के दुबई और अमेरिका

स्थित हैंडलरों से संबंध थे, जिनके द्वारा मुलजिमों को गैर-कानूनी हथियार बरामद करने का काम सौंपा गया था।

ऑपरेशन के बारे में विवरण साझा करते हुए, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी) बॉर्डर रेंज गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि गुरदासपुर पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि लवप्रीत सिंह, लवप्रीत सिंह, जशनदीप सिंह और हरजिंदर सिंह के रूप में पहचाने गए शकिक्यों ने हथियारों की एक खेप बरामद की है, जिसे वे आगे सप्लाई करने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने नाकाबंदी की और अपनी कार में जा रहे चारों दोषियों को सात गैर-कानूनी पिस्तौलों और आठ मैगजीनों सहित गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 130 दिनांक 1/10/2026 को गुरदासपुर के कलानौर पुलिस स्टेशन में आरम्भ एक्ट की धारा 25 के तहत केस दर्ज किया गया है।

‘युद्ध नशेआं विरुद्ध’ अभियान के तहत कमिश्नेट पुलिस जालंधर की बड़ी कार्रवाई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 2 किलोग्राम हेरोइन, 7.80 लाख रुपये ड्रग मनी, 32 बोर की पिस्तौल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान दो वाहन भी कब्जे में लिए हैं। कमिश्नर ऑफ पुलिस जालंधर सतिंदर सिंह, आईपीएस के दिशा-निर्देशों तथा डीसीपी इन्वेस्टिगेशन मनप्रीत सिंह सिद्ध, पीपीएस, एडीसीपी इन्वेस्टिगेशन देव सिंह, पीपीएस और एसीपी डिटेक्टिव अमरबीर सिंह, पीपीएस सहित वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में यह कार्रवाई की गई। स्पेशल सेल के ईंचार्ज एसआई मनजीत



सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार स्पेशल सेल की टीम टी-प्वाइंट नाहॉं वाला बाग के पास तिलक नगर, जालंधर में नाकाबंदी के दौरान मौजूद थी। इसी दौरान दशमेश नगर जालंधर की तरफ से एक सफेद रंग की हंडई आई-20 कार, नंबर पीबी-91-सी-6313, आती दिखाई दी। कार को एक युवक चला रहा था। पुलिस टीम ने कार को रोककर चालक

से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम दीपक उर्फ दीपु बताया। पुलिस द्वारा कानून के अनुसार कार की तलाशी लेने पर कार में रखे काले रंग के लिफाफे से 1 किलोग्राम हेरोइन और 7 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर थाना भागों कैंप, कमिश्नरेट जालंधर में एफआईआर नंबर 267 दिनांक 26 सितंबर 2026, धारा 21सी/27ए-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी दीपक उर्फ दीपु को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया गया।

दीपक उर्फ दीपु से पूछताछ के दौरान किए गए खुलासे के आधार पर एक अन्य आरोपी साहिल, निवासी गिलवाली गेट, थाना सी-डिवीजन, जिला अमृतसर, हाल निवासी करोल बाग, थाना रामा मंडी, जालंधर को नामजद किया गया। पुलिस ने आरोपी साहिल को 30 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया।

आधुनिक पंजाब की नींव रखने वाले कैरों की दूरगामी सोच आज भी प्रासंगिक: बाजवा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों की 125वीं जयंती के अवसर पर आज पंजाब विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग और चढ़ता पंजाब द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों,

प्रशासकों और पत्रकारों ने सरदार प्रताप सिंह कैरों के जीवन, व्यक्तित्व, राजनीतिक दृष्टिकोण, आर्थिक नीतियों तथा आधुनिक पंजाब के निर्माण में उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की। पूर्व मुख्य सचिव सर्वेश कौशल, प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रो. रणजीत सिंह घुमन, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के प्रो. कुलदीप सिंह और द इंडियन एक्सप्रेस के नेशनल एडिटर (नॉर्थ इंडिया) मराराज प्रेमल शर्मा पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए। इस अवसर

पर बाजवा ने कहा कि सरदार प्रताप सिंह कैरों आधुनिक पंजाब के प्रमुख निर्माताओं में से एक थे और उनकी विरासत को केवल उनके काबिल की उपलब्धियों के संदर्भ में नहीं, बल्कि पंजाब के भविष्य को लेकर उनकी दूरगामी सोच के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है।

बाजवा ने कहा, 'कैरों यह समझते थे कि पंजाब केवल पारंपरिक कृषि तक सीमित रहकर प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने ऐसे पंजाब की कल्पना की थी जो आधुनिक, शिक्षित, औद्योगिक रूप से विकसित और दुनिया से जुड़ा हुआ हो। कृषि, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, संस्थानों और आर्थिक विकास पर उनका जोर उन मजबूत नींवों का निर्माण करता है, जिन पर पंजाब की आने वाली पीढ़ियों ने अपना भविष्य बनाया। आज जब पंजाब एक नई दिशा की तलाश में है, हमें कैरों की दूरगामी सोच को फिर से समझने और उनके समय से आगे सोचने की क्षमता से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।'

अमित शाह ने राकेश राठौर के निवास पर किया आत्मीय संवाद

जालंधर (जालंधर ब्रीज). केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जालंधर दौरे के दौरान भाजपा पंजाब के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व महापौर राकेश राठौर के निवास स्थान पर पहुंचकर आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर राकेश राठौर ने अमित शाह का अपने निवास स्थान पहुंचने पर स्वागत, अभिनंदन एवं धन्यवाद किया। मुलाकात के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राकेश राठौर के साथ दोपहर का भोजन भी किया। इस अवसर पर भाजपा पंजाब प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह हिल्लों की विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पंजाब के वर्तमान राजनीतिक हालात, संगठन की



गतिविधियों, आगामी रणनीतियों तथा प्रदेश के बदलते राजनीतिक समीकरणों पर विस्तार से चर्चा हुई। अमित शाह ने पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसंपर्क गतिविधियों को गति देने संबंधी विचार साझा किए।

जिला प्रशासन नशों पर निर्भर लोगों के पुनर्वास के लिए कर रहा गंभीर प्रयास : अमरजीत बैंस

जालंधर (जालंधर ब्रीज). विधानसभा क्षेत्र जालंधर छावनी के गांव दीवाली में 'नशा छोड़ो – पंजाब बचाओ और जिंदगी अपनाओ' विषय पर विशेष जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस जागरूकता प्रोग्राम के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमरजीत बैंस, डी.सी.पी. आदित्य वारियर तथा हलका ईंचार्ज राजिंदर की थियाड़ा, ईंचार्ज दोआबा युद्ध नशे के विरुद्ध मुहिम अतिन अग्निहोत्री, ज़िला प्रधान शंकी भगत विशेष तौर पर पहुंचे। लोगों के जनसमूह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमरजीत बैंस ने कहा कि पंजाब सरकार के निर्देशानुसार ज़िला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता अभियानों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ज़िला प्रशासन द्वारा नशों पर निर्भर लोगों के पुनर्वास के लिए भी लगातार गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी मुहिम लोगों के सक्रिय सहयोग



के बिना सफल नहीं हो सकती। उन्होंने लोगों से अपील की कि ज़िला प्रशासन द्वारा नशों के खاتم के लिए पूरी शुरुू की गई मुहिम को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर डी.सी.पी. आदित्य वारियर ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा नशों की रोकथाम के लिए पूरी चौकसी बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत सिंह मान द्वारा नशों के खاتم के लिए शुरू की गई 'युद्ध नशे के विरुद्ध' मुहिम के सार्थक परिणाम आ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अपने बच्चों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

जालंधर में अग्निवीर भर्ती रैली 14 से

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला प्रशासन जालंधर की अगुवाई में सरकारी आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स कॉलेज, जालंधर में 14 नवंबर से 22 नवंबर 2026 तक 9 दिनों की अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली को उचित और पारदर्शी ढंग से पूरा करने के लिए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास)



दिखाया पी. ने आज जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि प्रशासन युवाओं को भारतीय सेना का अवसर दिलाने में पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने विभिन्न विभागों को रैली स्थल पर पीने का साफ पानी, निंबांध बिजली आपूर्ति, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, मैडिकल टीम और फायर ब्रिगेड सहित सभी बुनियादी सुविधाओं को समय पर पूरा करने के आदेश दिए। इस अवसर पर एस.डी.एम. शुभी आंगरा, डिप्टी डायरेक्टर डी.बी.ई.ई. नीलम महे, डायरेक्टर रिक्रूटमेंट जालंधर कैंट कर्नल रश्मि नारायण मौजूद थे।

प्रसिद्ध कृष्णा तीसरे वनडे से बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ तीसरे और आखिरी वनडे से बाहर हो गए हैं। यह मैच 3 अक्टूबर को मुम्बैनपुर में खेला जाना है। बीसीसीआई ने पुष्टि की है कि गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान कर्नाटक के इस तेज़ गेंदबाज़ के बाएं हैंडसिडिंग में चोट लग गई थी और उनकी जगह अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध ने दूसरे वनडे में पांच ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 45 रन दिए और किसी कार्टी का विकेट लिया, लेकिन 31वें ओवर के दौरान उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। इसके बाद वे बेंगलुरु लौट आए हैं और हो सकता है कि वे रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दौर के लिए उपलब्ध न हों। मौजूदा हालात को देखते हुए, उनके बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्ससिलेस में रिपोर्ट करने की पूरी संभावना है। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए नमन धीर को भारत की टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने वाशिंगटन सुंदर की



जगह ली है, जो जापान में एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के बाद घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लौटेंगे। सिल्वेटर चाहते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले सुंदर को मैच की प्रैक्टिस मिले। यह सीरीज 19 नवंबर को वेलिंगटन में शुरू होगी। रणजी ट्रॉफी का सीजन 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिससे सुंदर को फर्स्ट-क्लास क्रिकेट के जरिए तैयारी करने का मौका मिलेगा।

इंडिया ए महिला ने ऑस्ट्रेलिया ए महिला को 281 रन से हराया



मोहाली. इंडिया ए महिला ने पीसीए आई.एस. बिंड्रा क्रिकेट स्टेडियम, मोहाली में खेले गए चार दिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ए महिला को 281 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इंडिया ए महिला ने टैस जेतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने अपनी पहली पारी में 364 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में 257 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ए महिला की टीम पहली पारी में 176 रन और दूसरी पारी में 164 रन ही बना सकी। इस तरह इंडिया ए महिला ने मुकाबला 281 रन से अपने नाम किया।

कैबिनेट मंत्री, मेयर और डिप्टी कमिश्नर ने नई दाना मंडी, जालंधर में धान की खरीद करवाई शुरू

अधिकारियों को किसानों की फसल की उचित खरीद और अदायगी के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के बागवानी एवं रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत, मेयर विनीत धीर और डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने आज नई दाना मंडी, जालंधर में धान की खरीद प्रक्रिया की शुरुआत करवाई। उन्होंने विभिन्न खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा के लिए पूरी खरीद प्रक्रिया को निर्विघ्न और उचित ढंग से पूरा किया जाए। इस अवसर पर अधिक जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि इस सीजन के दौरान जिले के 79 खरीद केंद्रों में 10.84 लाख मीट्रिक टन धान आने की संभावना है और किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए पहले ही पुख्ता प्रबंध



किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि खरीदी गई फसल को लिफ्टिंग और समय पर अदायगी सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार किसानों द्वारा लाई गई फसल को निष्पक्षित समय में खरीदने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस साल सरकार द्वारा धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य

2461 रुपये निर्धारित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारियों द्वारा पीने का साफ पानी, सफाई, तरपालें, बारदाना आदि के पहले ही पुख्ता प्रबंध किए जा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की खरीदी फसल की लिफ्टिंग और समय पर अदायगी में कोई कसर बाकी न छोड़ी जाए। उन्होंने कहा कि मंडियों में ज़रूरत के अनुसार बारदाना उपलब्ध है।